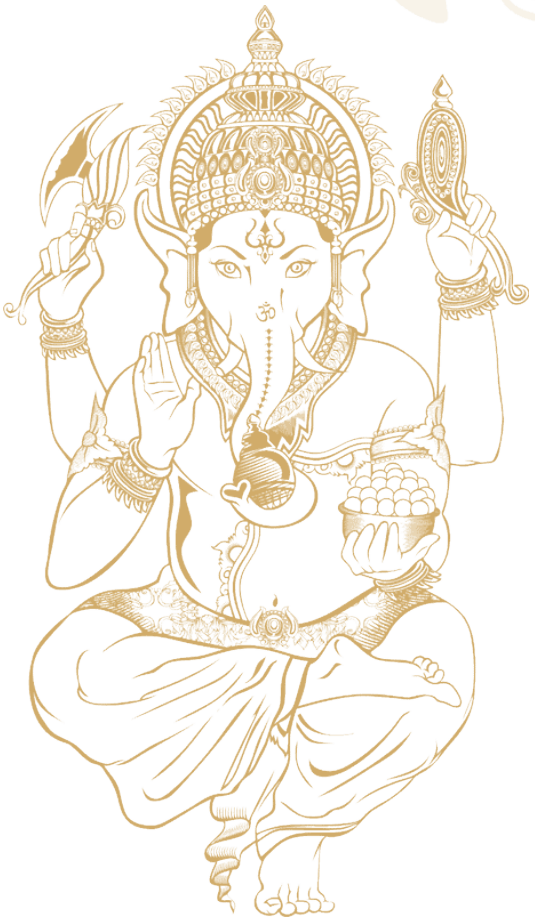

Sunny

Mahi Shatakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121056205

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
5-06/10/1996 :	जन्म तिथि	: 30/05/1998
शनि-रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 04:30:00 :	जन्म समय	: 23:45:00 घंटे
घटी 56:58:06 :	जन्म समय(घटी)	: 46:59:55 घटी
India :	देश	: India
Muzaffarpur :	स्थान	: Sitamarhi
26:07:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:36:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32 :	स्थानिक संस्कार	: 00:12:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:42:45 :	सूर्योदय	: 04:55:33
17:29:34 :	सूर्यास्त	: 18:35:39
23:48:44 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 5मा 22दि	01:56:29	कन्या	लग्न	कुंभ	05:22:06	बुध 14वर्ष 1मा 14दि
बुध	19:09:36	कन्या	सूर्य	वृष	15:18:03	शुक्र
29/03/2013	05:06:10	कर्क	चंद्र	कर्क	18:55:22	15/07/2019
30/03/2030	22:09:51	कर्क	मंगल	वृष	10:51:13	15/07/2039
बुध 26/08/2015	01:43:49	कन्या	बुध	वृष	02:58:55	शुक्र 13/11/2022
केतु 22/08/2016	15:37:32	धनु	गुरु	मीन	00:41:20	सूर्य 14/11/2023
शुक्र 23/06/2019	08:17:37	सिंह	शुक्र	मेष	07:04:28	चन्द्र 14/07/2025
सूर्य 29/04/2020	09:26:40	मीन व	शनि	मेष	05:11:30	मंगल 13/09/2026
चन्द्र 28/09/2021	14:10:53	कन्या	राहु व	सिंह	11:39:41	राहु 13/09/2029
मंगल 25/09/2022	14:10:53	मीन	केतु व	कुंभ	11:39:41	गुरु 14/05/2032
राहु 14/04/2025	06:50:11	मक व	हर्ष व	मक	18:50:25	शनि 15/07/2035
गुरु 21/07/2027	01:09:52	मक व	नेप व	मक	08:08:56	बुध 15/05/2038
शनि 30/03/2030	07:22:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	12:47:33	केतु 15/07/2039

लग्न-चलित

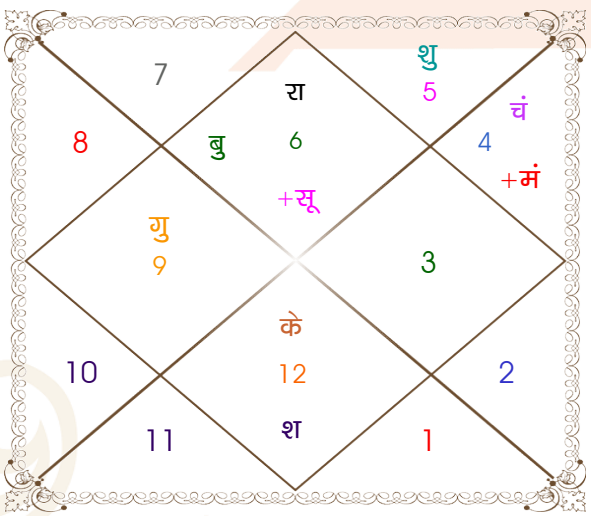

लग्न-चलित

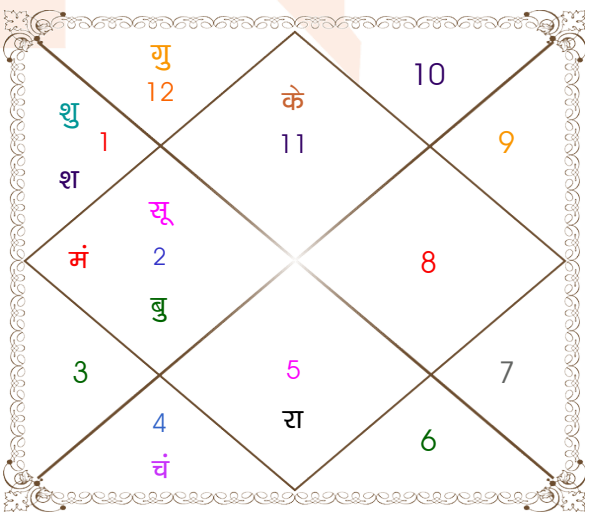

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

ै नददल का वर्ग मेष है तथा Mahi Shatakshi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ै नददल और Mahi Shatakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ै नददल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mahi Shatakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ै नददल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ै नददल तथा Mahi Shatakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।